CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

NEWS FOR UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

08 Jan. 2025

ABHAY SIR

Result Mitra

Quotes of the Day

“किस्मत का तो पता नहीं लेकिन अवसर सबको मिलते हैं खुद को साबित करने के !!

Result Mitra

❖Topic 1:–ब्रिक्स का विस्तार

❖Topic 2:– प्रवासी भारतीय दिवस

❖Topic 3:– असम में रैट होल माइनिग में फंसे मजदूर

❖Topic 4:– भारतपोल पोर्टल

Result Mitra
BRICS
BRAZIL
RUSSIA
INDIA
CHINA
SOUTH AFRICA
EGYPT
ETHIOPIA
IRAN
UNITED ARAB EMIRATES
ORDEM E PROGRESSO
ब्रिक्स का विस्तार

❖ BRICS जैसे विषयों को GS Paper 2 (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) और GS Paper 3 (अर्थव्यवस्था) दोनों में जोड़ा जा सकता है। साथ ही, निबंध में भी उपयोगी है।

❖ हाल ही में ब्रिक्स का विस्तार करते हुए इसमें इंडोनेशिया को 11वां सदस्य देश के रूप मे शामिल किया गया है ।

❖ इंडोनेशिया के ब्रिक्स में शामिल होने के प्रस्ताव को 2023 में जोहान्सबर्ग में हुए सम्मेलन के दौरान मंजूरी प्रदान की गई थी।

❖ ब्राजील कर रहा अध्यक्षता

❖ ब्रिक्स की अध्यक्षता साल 2025 में ब्राजील करने जा रहा है।

❖ साल 2025 में जुलाई महीने में ब्रिक्स का सम्मेलन होगा ।

❖ यह समिट ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होगा।

❖ 2025 में ब्रिक्स का थीम :– ग्लोबल साउथ ।

❖ लक्ष्य:– सदस्य देशों के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए पेमेंट गेटवे का विकास करना।

❖ ब्रिक्स (BRICS) एक अंतरराष्ट्रीय समूह है जिसमें पाँच उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं – ब्राजील, रूस, भारत, चीन, और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

❖ BRICS का इतिहास:

1. उद्भव:

❖ BRICS की अवधारणा सबसे पहले 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने "BRIC" के रूप में दी थी।

❖ 2009 में पहला शिखर सम्मेलन हुआ। उस समय दक्षिण अफ्रीका सदस्य नहीं था।

❖ 2010 में दक्षिण अफ्रीका को शामिल किया गया और "BRIC" का नाम बदलकर "BRICS" रखा गया।

2. महत्वपूर्ण तिथियां:

- पहला सम्मेलन: 2009 (रूस, येकातेरिनबर्ग)।
- दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता: 2010।
- यह समूह वैश्विक स्तर पर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है।
- 2023 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुई ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संगठन के विस्तार का निर्णय लिया गया।

ब्रिक्स का विस्तार:

❖ इसके पहले 2024 में ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात को ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनाया गया था।

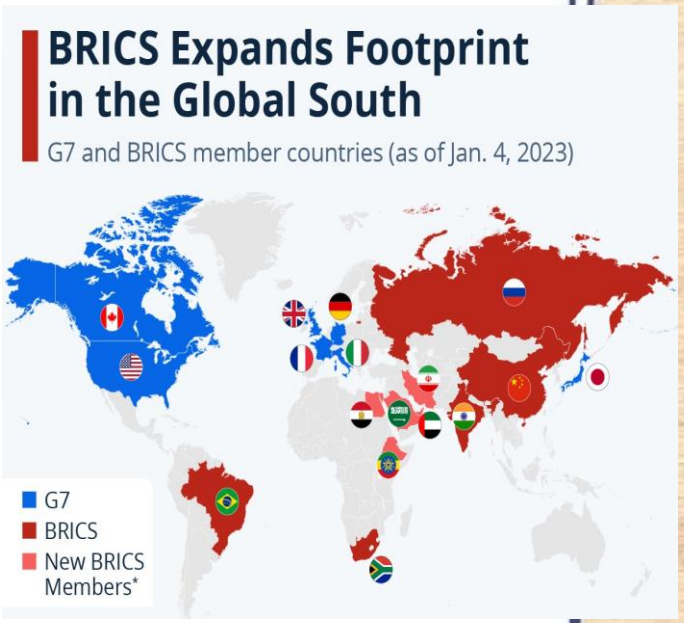

विस्तार के प्रमुख उद्देश्य:

❖ 1. वैश्विक प्रतिनिधित्व बढ़ाना: ब्रिक्स का विस्तार इसे अधिक विविध और प्रतिनिधित्वशील बनाएगा।

❖ 2. अर्थव्यवस्था और व्यापार को बढ़ावा: नए सदस्यों के साथ व्यापारिक और निवेश के अवसर बढ़ेंगे।

3. **गैर-पश्चिमी देशों का सशक्तिकरण:** यह निर्णय वैश्विक शक्ति-संतुलन को पश्चिमी देशों से हटाकर उभरते हुए देशों की ओर ले जाने का प्रयास है।

4. **ऊर्जा और संसाधनों तक पहुंच:** नए सदस्य ऊर्जा संपन्न देश हैं, जो ब्रिक्स के ऊर्जा सहयोग को मजबूत करेंगे।

विस्तार का प्रभाव:

- **वैश्विक राजनीति पर प्रभाव:** ब्रिक्स का विस्तार इसे पश्चिमी प्रभाव वाले संगठनों जैसे जी7 और आईएमएफ का एक मजबूत विकल्प बना सकता है।

❖ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा व्यवस्था में सुधार: ब्रिक्स अपने सदस्य देशों की मुद्राओं को बढ़ावा देकर डॉलर पर निर्भरता कम कर सकता है।

❖ नई आर्थिक संभावनाएं: नए सदस्य देशों के साथ निवेश और व्यापार के कई नए द्वार खुलेंगे।

BRICS के उद्देश्य:

1. आर्थिक सहयोग: सदस्य देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना।

2. विकास: गरीबी उन्मूलन, टिकाऊ विकास, और तकनीकी सहयोग।

Result Mitra

3. ग्लोबल गवर्नेंस में सुधार: विश्व बैंक और IMF जैसी संस्थाओं में विकासशील देशों को अधिक प्रतिनिधित्व दिलाना।

4. बहुपक्षीय सहयोग: जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, और स्वास्थ्य जैसे वैश्विक मुद्दों पर सामूहिक निर्णय लेना।

संरचना:

1. शिखर सम्मेलन: हर साल BRICS के सदस्य देशों का वार्षिक सम्मेलन आयोजित होता है।

2. नई विकास बैंक (NDB): 2014 में स्थापित।

❖ सदस्य देशों के बुनियादी ढांचा और सतत विकास परियोजनाओं को वित्तपोषण प्रदान करता है।

3. कंटिजेंट रिजर्व अरेंजमेंट (CRA): मुद्रा संकट के दौरान सदस्य देशों की मदद करने के लिए बनाया गया।

चुनौतियां:

1. सदस्य देशों के बीच असमानता: चीन और भारत की अर्थव्यवस्थाओं के बीच बड़ा अंतर।

2. राजनीतिक विवाद: भारत-चीन सीमा विवाद।

3. अंतरराष्ट्रीय दबाव: अमेरिका और यूरोपीय देशों का प्रभाव।

Q. BRICS के न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) का मुख्यालय कहाँ स्थित है?

- (a) शंघाई, चीन
- (b) ब्रासीलिया, ब्राज़ील
- (c) मास्को, रूस
- (d) नई दिल्ली, भारत

Result Mitra
प्रवासी भारतीय दिवस

Result Mitra

❖ यूपीएससी के लिए उपयोगी बिंदु:

❖ **निबंध लेखन:** "प्रवासी भारतीयों की भूमिका भारत के विकास में", "डायस्पोरा और सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी"।

❖ **जीएस पेपर 2:** प्रवासी भारतीयों के साथ भारत के संबंध और उनकी समस्याएँ।

❖ **जीएस पेपर 1:** प्रवासी भारतीय समुदाय का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व।

❖ **जीएस पेपर 3:** रेमिटेंस और आर्थिक योगदान।

Result Mitra

- 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की मेजबानी ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर करेगा।
- भुवनेश्वर पहली बार प्रवासी भारतीय दिवस की मेजबानी करेगा
- इसका आयोजन 8 से 10 जनवरी 2025 तक किया जाएगा ।
- 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का विषय :– "विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान" है।
- 17वीं प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में 8 से 10 जनवरी 2023 तक आयोजित किया गया था।

❖ **क्यों मनाया जाता है :–** भारत में प्रवासी भारतीय (प्रवासी भारतीय) समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए 9 जनवरी को 2003 से प्रवासी भारतीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

❖ **कौन कर रहा आयोजन:–** 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय और ओडिशा राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

❖ **जबकि युवा प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन :–** विदेश मंत्रालय द्वारा, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और ओडिशा सरकार के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

❖ **मुख्य अतिथि :–** सम्मेलन के मुख्य अतिथि त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू होंगी।

❖ यह 9 जनवरी 2025 को वर्चुअल माध्यम से सम्मेलन को संबोधित करेंगी।

❖ **युवा प्रवासी भारतीय दिवस के मुख्य अतिथि :–** अमेरिकी पत्रिका न्यूज़वीक के सीईओ डॉ. देव प्रगद होंगे।

❖ 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन और समापन सत्र

❖ **18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन :–**

❖ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 9 जनवरी 2025 को किया जाएगा ।

❖ वे प्रवासी भारतीयों के लिए प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस नामक विशेष पर्यटक ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

❖ **प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस :–** दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से रवाना होगी और पर्यटन और धार्मिक महत्व के कई स्थलों को कवर करेगी।

❖ **समापन सत्र :–** 10 जनवरी 2025 को 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के समापन सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मुमरू द्वारा संबोधित किया जाएगा।

❖ राष्ट्रपति मुर्मू 27 व्यक्तियों को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार भी प्रदान करेंगी।

❖ **प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार :–** यह पुरस्कार अनिवासी भारतीयों (एनआरआई), भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) या एनआरआई/पीआईओ द्वारा स्थापित और संचालित किसी संगठन/संस्था को भारत और विदेश दोनों में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के सम्मान में प्रदान किया जाता है।

प्रवासी भारतीय दिवस अन्य तथ्य :–

❖ प्रवासी भारतीय दिवस को 'भारतीय प्रवासियों पर उच्च स्तरीय समिति' की सिफारिश पर मनाया जाता है इस समिति की अध्यक्षता डॉ. एल.एम. सिघवी द्वारा की गई थी ।

❖ 9 जनवरी 1915 को महात्मा गांधी के मुंबई (तब बॉम्बे) में एस.एस. अरेबिया जहाज से भारत वापस आए थे इस कारण इसको 9 जनवरी को मनाया जाता है ।

❖ **विदेश मंत्रालय :–** प्रवासी भारतीय दिवस के अंतर्गत तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करता है।

❖ पहला प्रवासी भारतीय दिवस/सम्मेलन 2003 में 9-11 जनवरी 2003 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

❖ इसे हर साल आयोजित किया जाता था, लेकिन 2015 से इसे हर दो साल में आयोजित किया जाने लगा है।

सत्यमेव जयते

Ministry of External Affairs
Government of India

प्रवासी भारतीय दिवस के उद्देश्य:

❖ प्रवासी भारतीयों को भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास से जोड़ना।

Result Mitra

❖ प्रवासी भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और योगदान को पहचान देना।

❖ भारत और प्रवासी समुदाय के बीच संबंध मजबूत करना।

❖ भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों की भूमिका को बढ़ावा देना।

प्रवासी भारतीयों का महत्व :–

❖ **अंतरराष्ट्रीय संबंध:** प्रवासी भारतीय दुनिया के विभिन्न देशों में भारत की "सॉफ्ट पावर" को बढ़ाते हैं। उनके योगदान से भारत की विदेश नीति को मजबूती मिलती है।

❖ **आर्थिक योगदान:** प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजी गई रेमिटेंस (Remittance) भारत के जीडीपी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

❖ **संस्कृति और पहचान:** प्रवासी भारतीय भारतीय संस्कृति, परंपरा और योग, आयुर्वेद आदि को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं।

❖ **डायस्पोरा डिप्लोमेसी:** प्रवासी भारतीय विभिन्न देशों के साथ भारत के राजनयिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में सहायक होते हैं।

प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार:–

❖ यह पुरस्कार प्रवासी भारतीय दिवस के दौरान भारत सरकार द्वारा उन प्रवासी भारतीयों को दिया जाता है जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

Result Mitra

प्रवासी भारतीयों की समस्याएँ:–

- दोहरी नागरिकता और पहचान की समस्या।
- विदेशों में भारतीय समुदाय के खिलाफ भेदभाव।
- निवेश और व्यापार के लिए भारत में नौकरशाही और भ्रष्टाचार।
- उनकी सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दे।

महत्वपूर्ण डेटा और तथ्य.

- 2023 में भारत को लगभग $100 बिलियन का रेमिटेंस प्राप्त हुआ, जो दुनिया में सबसे अधिक है।

- विदेशों में लगभग 3.2 करोड़ भारतीय प्रवासी रहते हैं।

Result Mitra

असम में रैट होल माइनिंग में फंसे मजदूर

Result Mitra

- 300 फीट गहरी कोयला खदान में पानी भर जाने से करीब 15 मजदूर फंस गए । जिन्हे बचाने के लिए SDRF-NDRF राहत कार्य में जुटी हुई है।

- असम के दीमा हसाओ जिले में 300 फीट गहरी कोयला खदान में अचानक पानी भर गया।

- रेट होल माइनिग (Rat Hole Mining) भारत के पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर मेघालय में प्रचलित कोयला खनन की एक विवादास्पद और असंगठित पद्धति है।

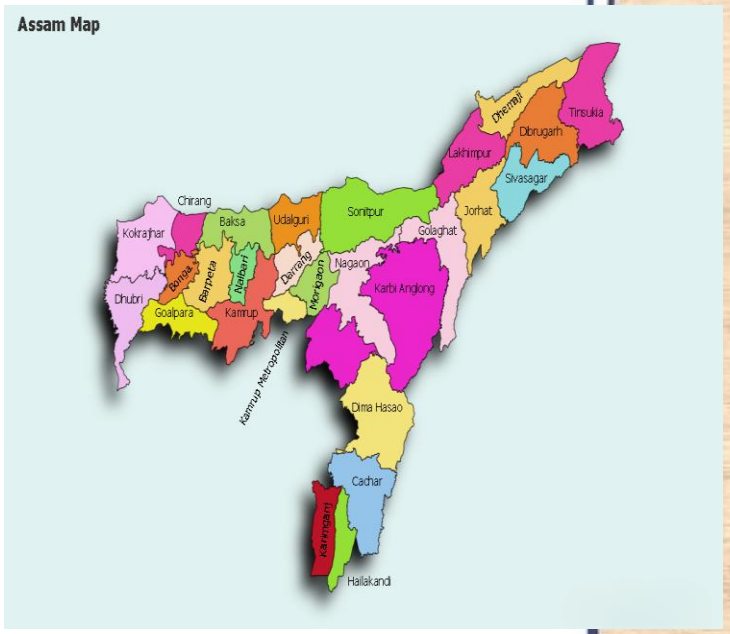

रेट होल माइनिग की परिभाषा

❖ रेट होल माइनिग एक असंगठित खनन प्रक्रिया है, जिसमें छोटी और संकरी सुरंगें (रेट होल्स) बनाई जाती हैं। इन सुरंगों में मजदूर प्रवेश करते हैं और कोयले को हाथों से खोदते हैं।

❖ दो तरह से होती है रैट होल माइनिग

1. साइड कटिग प्रोसीजर :– इस प्रक्रिया में पहाड़ के ढलान से उसमें छेद बनाकर खुदाई शुरू की जाती है।

❖ रैट माइनर्स अंदर की तरफ घुसकर खुदाई करना शुरू करते हैं और टारगेट की तरफ खुदाई करते हुए आगे बढ़ते हैं। पीछे से सपोर्टिंग स्टाफ मलबा बाहर निकालता रहता है।

Result Mitra

2. बॉक्स कटिग प्रोसीजर

❖ इसमें एक चौड़ा गड्ढा खोदा जाता है। फिर इसमें एक ऊर्ध्वाधर (सीधा) गड्ढा खोदा जाता है।

❖ वर्टिकली खुदाई करते-करते उस टारगेट तक पहुंचना होता है, जहां माइनिग की जाती है।

रेट होल माइनिग की विशेषताएँ:

❖ **1. संकीर्ण सुरंगें:** सुरंगें इतनी छोटी होती हैं कि केवल एक व्यक्ति ही प्रवेश कर सकता है।

2. **असंगठित कार्य:** यह प्रक्रिया स्थानीय निवासियों और छोटे व्यवसायियों द्वारा की जाती है।

3. **पर्यावरणीय नुकसान:** इस खनन पद्धति से मिट्टी का कटाव, जल स्रोतों का प्रदूषण और पारिस्थितिकीय असंतुलन होता है।

4. **सुरक्षा का अभाव:** सुरक्षा उपायों की कमी के कारण यह मजदूरों के लिए अत्यंत खतरनाक होती है।

रेट होल माइनिग से जुड़े मुद्दे:

Result Mitra

1. पर्यावरणीय प्रभाव

❖ जंगलों और पारिस्थितिक तंत्र का विनाश।

❖ नदी और भूजल प्रदूषण।

❖ खनन के बाद छोड़े गए गड्ढे खतरनाक हो जाते हैं।

2. सामाजिक प्रभाव

❖ मजदूरों का शोषण और बाल मजदूरी।

❖ खराब कार्य परिस्थितियाँ।

Result Mitra

3. कानूनी पहलू

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने 2014 में मेघालय में रेट होल माइनिग पर प्रतिबंध लगाया।
- खनन पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध खनन जारी है।
- खनिज और खनन अधिनियम (Mines and Minerals Act) का उल्लंघन।

4. आर्थिक प्रभाव

- स्थानीय लोगों की आय का प्रमुख स्रोत।

❖ प्रतिबंध के कारण आर्थिक कठिनाई।

उपाय और सुझाव

1. पर्यावरणीय उपाय:

❖ वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल खनन पद्धतियों को बढ़ावा।

❖ पुनर्वनीकरण और पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली।

2. सामाजिक सुधार:

❖ मजदूरों के लिए सुरक्षा उपाय और वैकल्पिक रोजगार।

❖ बाल मजदूरी पर सख्त रोक।

3. कानूनी और प्रशासनिक सुधार:

❖ अवैध खनन पर सख्त निगरानी।

❖ स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करना।

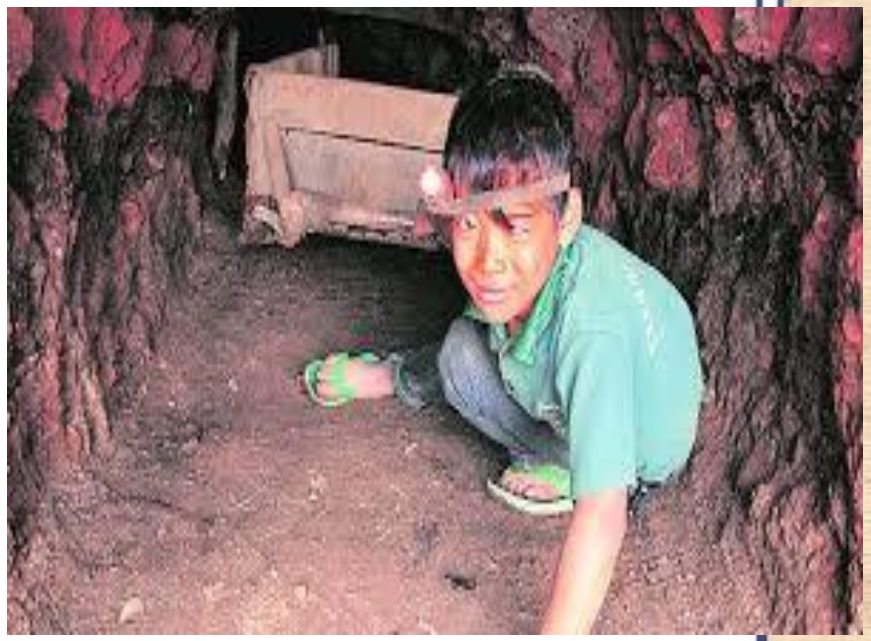

4. शिक्षा और जागरूकता:

❖ खनन के दुष्प्रभावों पर जागरूकता फैलाना।

❖ बाल शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम।

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
INDUSTRY
IMPARTIALITY
INTEGRITY
Launch of
'Bharatpol'
Portal
At Bharat Mandapam
भारतपोल पोर्टल
Result Mitra

Result Mitra

❖ देश में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए भारत सरकार ने भारत पोल (Bharatpol) नाम का अत्याधुनिक पोर्टल शुरू किया है।

❖ भारतपोल को सीबीआई के द्वारा तैयार किया गया है

❖ उद्देश्य:– राज्य व केंद्रशासित प्रदेशों और सभी जांच एजेंसियां सीधे इंटरपोल से जुड़ सकें।

भारतपोल की जरूरत क्यों :–

❖ देश में अपराध करके दुसरे देशों में फरार होने और वहां से भारत में जुर्म को करने वाले अपराधियों पर नियंत्रण के लिए।

❖ केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इंटरपोल (Interpol) की तर्ज पर भारतपोल (Bharatpol) शुरू किया है।

भारतपोल क्या है?

❖ एक अत्याधुनिक पोर्टल बनाया है जिसको केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने भारतपोल (Bharatpol) के नाम से बनाया है।

❖ राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस और एनआईए व ईडी समेत सभी जांच एजेंसियों को एक साथ जोड़ता है।

❖ इंटरपोल (INTERPOL), जिसका पूरा नाम "इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन" है, एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो विभिन्न देशों की पुलिस एजेंसियों के बीच सहयोग और समन्वय के लिए कार्य करता है।

❖ यह संगठन 195 देशों का प्रतिनिधित्व करता है और इसका मुख्यालय ल्यों, फ्रांस में स्थित है।

इंटरपोल के मुख्य कार्य

1. **अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग:** यह सदस्य देशों के बीच अपराध और आतंकवाद के खिलाफ सूचना साझा करने में मदद करता है।

2. **डाटाबेस प्रबंधन:** सदस्य देशों को आपराधिक डेटा, जैसे चोरी की संपत्ति, अपराधियों, और वांछित व्यक्तियों की जानकारी उपलब्ध कराना।

3. **अपराधों की रोकथाम:** ड्रग्स, मानव तस्करी, साइबर अपराध, और संगठित अपराधों के मामलों में मदद करना।

Result Mitra

4. रेड नोटिस (Red Notice): यह एक अलर्ट है जिसे इंटरपोल जारी करता है ताकि किसी वांछित अपराधी को पकड़ने में सदस्य देशों की मदद की जा सके।

इंटरपोल के प्रमुख नोटिस

1. रेड नोटिस: किसी अपराधी की गिरफ्तारी के लिए।

2. ब्लू नोटिस: किसी व्यक्ति की पहचान या गतिविधियों पर जानकारी प्राप्त करने के लिए।

3. ग्रीन नोटिस: अपराधियों की गतिविधियों पर सतर्कता के लिए।

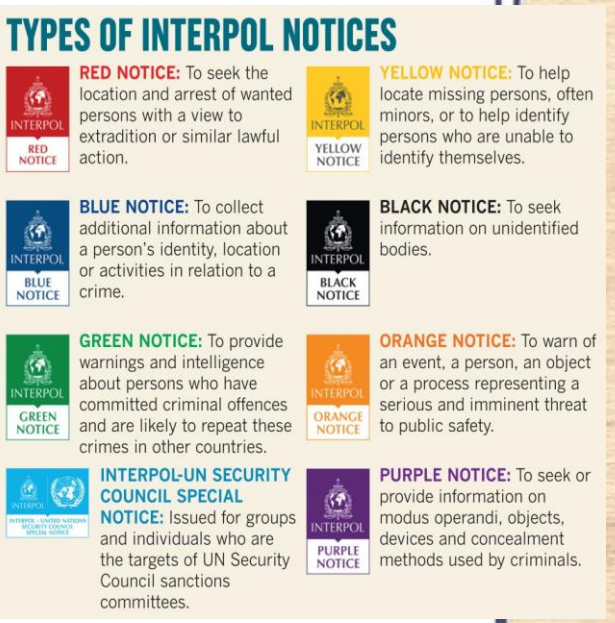

4. **येलो नोटिस:** लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए।

5. **ऑरेंज नोटिस:** संभावित खतरे (जैसे हथियार, विस्फोटक) से चेतावनी देने के लिए।

6. **पर्पल नोटिस:** अपराधियों की गतिविधियों या तरीकों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए।

भारत और इंटरपोल

1. **भारत में इंटरपोल की इकाई:** सीबीआई (Central Bureau of Investigation) इंटरपोल के लिए भारत की नोडल एजेंसी है।

Result Mitra

2. भारत ने कई बार इंटरपोल की सहायता ली है, जैसे भगोड़े अपराधियों को पकड़ने के लिए (उदाहरण: नीरव मोदी, विजय माल्या)।

3. भारत ने इंटरपोल की 90वीं महासभा (2022) की मेज़बानी की थी।

❖ यूपीएससी के लिए प्रासंगिक मुद्दे

❖ 1. इंटरपोल का कार्यक्षेत्र और सीमाएं:

❖ इंटरपोल के पास किसी देश में जाकर गिरफ्तारी करने का अधिकार नहीं है। यह सिर्फ सूचना साझा करता है।

❖ सदस्य देशों को इंटरपोल के नोटिस को मानना आवश्यक नहीं है।

2. अंतरराष्ट्रीय अपराध और इंटरपोल की भूमिका।

3. भारत का योगदान और इंटरपोल के साथ सहयोग।

❖संभावित सवाल (UPSC Mains/Prelims):

1. इंटरपोल के कार्यों और सीमाओं पर चर्चा करें।

2. भारत में इंटरपोल की भूमिका का विश्लेषण करें।

3. इंटरपोल के विभिन्न नोटिस और उनके महत्व को समझाएं।

Result Mitra

❖ भारतपोल की जरूरत क्यों पड़ी :–

❖ अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के बाद विदेश भागे अपराधियों की जानकारी के लिए राज्यों की पुलिस को सीबीआई से सहयोग तथा इंटरपोल से संपर्क करने के लिए आग्रह करना पड़ता है।

❖ जिसके बाद सीबीआई इंटरपोल में संपर्क करती है, तब इंटरपोल द्वारा नोटिस जारी किया जाता हैं।

❖ जबकि भारतपोल के माध्यम से राज्यों की पुलिस व संबंधित जांच एजेंसियां सीधे पोर्टल के माध्यम से सीधे इंटरपोल को रिक्वेस्ट कर सकेंगी।

❖ क्या भारतपोल नोटिस जारी कर सकेगा? नहीं, भारतपोल नोटिस जारी नहीं कर सकेगा। नोटिस इंटरपोल ही जारी करेगा।

❖ पुलिस को किसी अपराधी के बारे में जानकारी चाहिए तो भारतपोल के जरिये पुलिस सीधे इंटरपोल से संपर्क कर सकेगी।

❖ अगर इंटरपोल की ओर से रिक्वेस्ट एक्सेप्ट हो जाती है तो देश छोड़कर भाग चुके अपराधी के खिलाफ नोटिस जारी हो सकेगा।

❖ क्या पाकिस्तान इंटरपोल का सदस्य है:–

❖ पाकिस्तान भी इंटरपोल का सदस्य है।

❖ वह 1995 में इंटरपोल में शामिल हुआ था।

Result Mitra

❖ जबकि भारत 1949 से इंटरपोल का सक्रिय सदस्य है।

क्या भारत ने अभी तक इंटरपोल की मदद ली है:–

❖ भारत ने इंटरपोल की सहायता से कई भगोड़े अपराधियों का प्रत्यपर्ण कराने में सफलता प्राप्त की है।

❖ केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) के अनुसार, 2021 से अब तक इंटरपोल के माध्यम से 100 से अधिक अपराधियों को भारत लाया जा चुका है, जिसमें से 2024 में ही 26 अपराधियों का प्रत्यर्पण हुआ है।

❖ इनमें सलमान रहमान खान, बरकत अली खान और रायहान अरबिक्कललारिक्कल जैसे अपराधी शामिल हैं।

THANK YOU

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra

LIKE & SHARE

PDF

+ SUBSCRIBE